**Nai Dunia (Indore), 7th January 2020, Page-19**

# आईआईटी का लक्ष्य 5 वर्ष में टॉप 50 में जगह बनाना

## स्थानीय प्रशासन को साथ में लेकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा

**इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर**

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) आईआईएम इंदौर की तर्ज पर विकास कामों को आगे बढ़ाएगा। संस्थान खुद की इनकम बढ़ाने के लिए नए प्रोजेक्ट पर काम करेगा। पूर्व निदेशक प्रदीप माथूर का कार्यकाल पूरा होने के बाद कार्यवाहक निदेशक बनाए गए प्रो. निलेश कुमार जैन ने नईदुनिया से बात करते हुए बताया कि हमारी कोशिश पांच वर्षों में आईआईटी इंदौर को वर्ल्ड के 50 संस्थानों में शामिल करना है। प्रो. जैन शहर के ही एसजीएसआईटीए संस्थान से पासआउट है। कई वर्षों से आईआईटी इंदौर में ही डीन एकेडमिक्स और अन्य पदों पर रहे हैं। उन्होंने बताया स्थानीय प्रशासन को साथ में लेकर आगे के कामों को आगे बढ़ाया जाएगा। संस्थान अपने कैम्पस का विस्तार भी करना चाहता है। इसके लिए कुछ और जमीन की जरूरत है। इसकी मांग शासन और प्रशासन से की जाएगी।

### कैम्पस में ही विद्यार्थियों को ठहराया जाएगा

प्रो. जैन ने बताया देश के अन्य आईआईटी के मुकाबले आईआईटी इंदौर का कैंपस आधुनिक तरीके से बना है। यहां विद्यार्थियों के रहने के लिए जो होस्टल बनाए गए हैं वे आधुनिक है और विद्यार्थियों को रहने के लिए व्यक्तिगत बैडरूम दिया गया है। फैकल्टीज के रहने की सुविधा भी संस्थान में ही मौजूद है। अब तक कई पुराने विद्यार्थी बाहर की कॉलोनियों में रहते आए है, लेकिन अब सभी विद्यार्थियों को कैम्पस में ही जगह दी जाएगी। उन्होंने बताया हमारे यहां सभी कोर्सेस में करीब 1800 विद्यार्थी है। इसमें से मुख्य कोर्सेस में 290 सीटें है और करीब 150 व्यक्तियों का स्टॉफ है। कैम्पस में रहने की अच्छी व्यवस्था है, लेकिन कुछ ब्लॉक और बनाए जाएंगे। इसके लिए कुछ जमीन और चाहिए होगी।

### कुछ डीन हटाए, कुछ को दोबारा पद दिए गए

प्रो. माथुर को लेकर प्रो. जैन ने बताया कि उन्हें लेकर कई तरह की शिकायतें मिली थी। कुछ प्रोफेसर को उन्होंने हटा दिया था। इसमें अच्छे काम और प्रोफाइल रखने वाले प्रोफेसर को फिर से नियुक्त किया गया है। आईआईटी इंदौर में भर्ती नियमों का भी उल्लंघन किया गया था। इसके चलते तीन विभागों के डीन को बदल दिया गया है। संस्थान के पीआरओ राहुल शर्मा की जगह भी अन्य अधिकारियों को पीआरओ की जिम्मेदारी दी गई है। प्रो. जैन का कहना है मेरी स्कूल से लेकर कॉलेज की पढ़ाई इंदौर में हुई है। गुजराती स्कूल से 12वीं किया और इसके बाद एसजीएसआईटीएस से बीई किया है। इंदौर का मिजाज अपनेपन वाला है। यहां के लोगों के साथ आईआईटी बेहतर पहचान बनाने की कोशिश करेगा।